सत्गुरू तो कायम दायम है, न आता है ना जाता है |

'हरदेव' के रूप मे पहले था, अब सतगुरू पुज्य माता है || धृ ||

सतगुरू को मिटा पाये ऐसी, नही मौत मे होती ताकत है,

चोला तो बदलता है लेकिन, सतगुरू तो सदा ही सलामत है

भक्तों का रक्षणहारा कभी 2 भक्तों से दूर न जाता है.....

सतगुरू तो कायम दायम .....||१||

सतगुरू जिसम का नाम नही, सतगुरू का मतलब ज्ञान है,

सतगुरू समझा जिस्म अगर, ये सबसे बडा अज्ञान है,

सतगुरू को समझ पाया वही 2 जो ज्ञान से जुड जाता है,

सतगुरू तो कायम दायम है.....||२||

पहले भी रेहमत पाई थी, आगे भी रेहमत पायेंगे

हम सत्गुरू "पुज्य माता" के, चरणों मे जन्नत पायेंगे

ये नुरी जलवाँ सतगुरू का 2 भाया था आज भी भाया है,

सतगुरू तो कायम दायम है ....||३||

सतगुरू पुज्य माँ के संग, आगे को बढते जायें हम,

सतगुरू हरदेव का मिशन 'जगत', दुनिया भर में फैलाये हम

हर संत तेरा ये वर लेने, झोली अपनी फैलाता है .....

सतगुरू तो कायम दायम है.....||४||